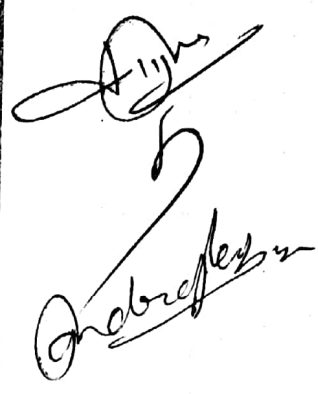


31/11

पत्रावली पेश हुई। वरुण प्रो-पत्र
 खिन्नीगर्डी। अण्णादी इरिक्कड कल्लम
 हौ। के दगा सहमते जगिरे में
 विकारित अण्णादीको विक्रय नटीकर
 रहा हूँ। दोनो पक्ष इस बात में
 सहमत हैं कि अण्णादी विकारित
 अण्णादी पाठ कृष्ण ले सकत
 हैं इसी अशयमी की वरी कोला
 और शर्मा को विक्रय राग वसिष्ठ
 अण्णादी नही कोला। अतः ता फंसल
 वाक 3 क अण्णादी से दोनो
 पक्षकारो को पक्ष 7 शिक्षागल
 प्रो-पत्र फंसल सुमा टप
 मूल वाक व लय लल्लम व

टीपिचन्द्र



Handwritten signature and a circular stamp, possibly containing a date or official mark.